शोधालेख हेतु आवश्यक सूचना

1. शोधालेख भेजने की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2019 है।
2. हिन्दी में शोधालेख फाईल में यूनिकोड मंगल और क्रुतिदेव-10 में 14 फॉन्ट साईज में, अंग्रेजी में टाइमस न्यू रोमन फॉन्ट साईज 12, सिंगल स्पेस के साथ A-4 साईज पेपर पर भेजना आवश्यक है।
3. शोधालेख की शब्द संख्या 3000 से 4000 तक हो।
4. शोधालेख इस ईमेल आईडी पर भेजें seminargcbeetan@gmail.com
5. पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन भी अदा कर सकते हैं।

   Bank Name : Punjab National Bank
   Branch Name : Beetan
   A/c. Number : 7973000100023769
   IFSC Code : PUNB0797300
6. पंजीकरण सम्पुष्टि हेतु उक्त बैंक खाते में शुल्क जमा करने के पश्चात् प्रदत्त शुल्क की रसीद अथवा Transaction ID या UTIR Code को E-mail पर अपने नाम सहित भेजना आवश्यक है।
7. शोधपत्र अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में मान्य होगा।
8. पंजीकरण शुल्क : अध्यापकों के लिए : रू. 1000/-
   : शोध छात्रों के लिए : रू. 600/-
9. निर्धारित तिथि में प्राप्त सभी शोधालेख ISBN या ISSN क्रमांक में प्रकाशित करने की योजना है।
10. अन्य आवश्यक जानकारी हेतु निम्न फोन क्रमांक पर सम्पर्क कर सकते हैं

डॉ. संजीव कुमार	डॉ. राजेन्द्र कुमार
86289-55018	94183-39279
94182-97824	82192-56362

संयोजन समिति

संरक्षक	:	प्रो. अभिलाषा शारदा, प्राचार्या
संयोजक	:	प्रो. गुरदेव सिंह
आयोजन सचिव	:	डॉ. राजेन्द्र कुमार
संयुक्त आयोजन सचिव	:	प्रो. राकेश कुमार डॉ. संजीव कुमार डॉ. गगन दीप डॉ. रन्जू बनोटा
संगोष्ठी सदस्य	:	प्रो. ऋचा शर्मा प्रो. बूटा राम प्रो. तिलक राज प्रो. प्रतीक देसवाल प्रो. रमेश कुमार

पंजीकरण फार्म

द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

संत ढांगू वाले गुज्जर, राजकीय महाविद्यालय बीटन जिला ऊना (हि.प्र.)

15- 16 फरवरी 2019

1. नाम (प्रो./डॉ./श्रीमान्/श्रीमती) .....
2. पदनाम .....
3. संस्थान/सम्बद्धता .....
4. पुरूष/ महिला .....
5. पता .....
   .....
6. श्रेणी (अध्यापक/शोधकर्त्ता) .....
7. मो. नं. .....
8. ई-मेल .....
9. आवास चाहिए (हाँ/नहीं).....
10. क्या आप शोधपत्र प्रस्तुत कर रहे हैं ? (हाँ/नहीं) .....
11. शोधपत्र का शीर्षक .....
    .....
12. पंजीकरण फीस का विवरण ऑनलाईन (हाँ/नहीं)

राशि रू.....

दिनांक.....

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण सत्य एवं सही है।

प्रतिभागी के हस्ताक्षर

HOW TO REACH

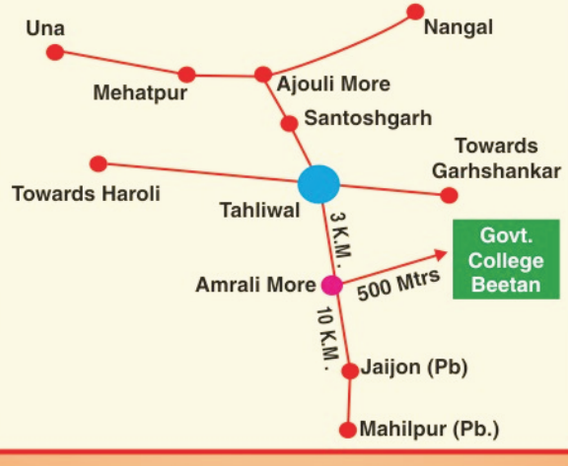

Estd. : 1997

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

संत ढांगू वाले गुज्जर राजकीय महाविद्यालय बीटन जिला ऊना (हि.प्र.)

द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

शैक्षिक वर्ष 2018-19

विषय

पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता : स्वस्थ जीवन का आधार

15-16 फरवरी 2019
सुबह 9:30 बजे से 5:00 बजे तक

स्थल

महाविद्यालय सभागार
राजकीय महाविद्यालय बीटन, जिला ऊना (हि.प्र.)
www.gcbeetan.co.in

महाविद्यालय अवलोकन

''विद्या फलवती सर्वत्र'' इसी भावना से प्रेरित होकर सन्त बाबा ढांगू वाले जी ने 1997 ई. में बीत क्षेत्र के गांव बीटन में महाविद्यालय की स्थापना की। तत्पश्चात् 23 अगस्त 2004 का पावन दिवस इस क्षेत्र के लोगों के लिए चिरस्मरणीय दिन बन गया जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने महाविद्यालय के सरकारीकरण की अधिसूचना जारी की थी। आज यह अपने जीवन के चौदहवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। महाविद्यालय का अपना एक नवनिर्मित सुन्दर भवन व परिसर है। वर्ष 2016 में नैक द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण व मूल्यांकन करवाया गया और नैक द्वारा महाविद्यालय को 'बी' ग्रेड से नवाजा गया।

विषय
पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता : स्वस्थ जीवन का आधार

शुद्ध पर्यावरण एवं स्वच्छता ही स्वस्थ तथा सुखी जीवन का आधार है। स्वच्छता उत्तम स्वास्थ्य का मूल होता है। आयुर्वेद में कहा गया है - शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम् अर्थात् शरीर धर्मपालन का पहला साधन है। मृजया रक्ष्यते रूपम् अर्थात् स्वच्छता से ही रूप (शरीर) की रक्षा होती है। मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक तथा सामाजिक प्रत्येक विधि से स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता एवं पर्यावरण का शुद्ध होना अति आवश्यक है। स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण है। यह जीवन की आधारशिला है। स्वच्छता में ही मानव की गरिमा, शालीनता और आस्तिकता के दर्शन होते हैं। भारतीय संस्कृति में भी यह मान्यता है कि जहाँ पर स्वच्छता होती है, वहाँ पर लक्ष्मी का वास होता है।

हम जिस वातावरण में रहेंगे वैसे ही विचार आना स्वाभाविक है। यदि हम स्वच्छ वातावरण में रहेंगे तो मन में शुद्ध (पवित्र) विचार आएंगे तथा यदि हम मलीनता में रहेंगे तो मलीन विचार आना स्वाभाविक ही है। मलीनता के चलते हमें अनेक प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण समय, धन व्यय, असहनीय पीड़ा, स्वास्थ्य का गिरना तथा कुटुम्ब के सदस्यों का परेशान होना आदि अनेक समस्याएं हमारे समक्ष खड़ी होती हैं जिनका मुख्य कारण सफाई न होना ही है।

वर्तमान समय में बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण में वृद्धि, औद्योगिक विकास तथा विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के कारण पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ता जा रहा है। पर्यावरण को प्राणीहित के लिए सुरक्षित रख पाना दिन-प्रतिदिन चुनौती बनता जा रहा है। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता है। आज इसका मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। हम जब तक स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को नहीं समझेंगे, तब तक हम अपने आपको सभ्य और सुसंस्कृत नहीं कह सकते। अपने घर और आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखना हमारा प्रथम दायित्व है। अत: वर्तमान समय की यह मांग है कि सम्पूर्ण स्वच्छता के मूल मंत्र को साकार करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु गम्भीर चिन्तन व मनन करें ताकि हम नव भारत निर्माण व राष्ट्र को विश्वगुरु बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन कर सकें।

उपविषय

1. वर्तमान शिक्षा पद्धति और पर्यावरण जागरूकता।
2. पर्यावरण संरक्षण में युवा पीढ़ी की भूमिका।
3. शास्त्रों में वर्णित स्वच्छ एवं स्वस्थ मानवहित की कल्पना।
4. स्वच्छ तथा स्वस्थ राष्ट्र निर्माण हेतु गैर-सरकारी संगठनों का योगदान।
5. पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता में औद्योगिक क्षेत्र की भूमिका।
6. पर्यावरण चिंतन एवं मनन साहित्य के सन्दर्भ में।
7. नवभारत निर्माण में स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण की महत्ता।
8. स्वच्छता तथा पर्यावरण : अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में।

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त संगोष्ठी के मूल विषय से सम्बन्धित उपविषय इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए स्वीकार्य हैं।

संगोष्ठी रूपरेखा

15 फरवरी 2019

सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पंजीकरण एवं जलपान

उद्घाटन सत्र

सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक

मुख्यातिथि द्वारा दीप प्रज्जवलन 10:30 बजे

स्वागत : प्रो. अभिलाषा शारदा, प्राचार्या

बीज भाषण : डॉ. डेज़ी बातिश, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़

चायपान : सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

प्रथम सत्र : सुबह 12:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक

भोजनावकाश : दोपहर 01:30 बजे से 02:30 बजे तक

द्वितीय सत्र : दोपहर 02:30 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक

तृतीय सत्र : दोपहर 04:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक

16 फरवरी 2019

सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पंजीकरण एवं जलपान

उद्घाटन सत्र

सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक

मुख्यातिथि द्वारा दीप प्रज्जवलन 10:30 बजे

स्वागत : प्रो. अभिलाषा शारदा, प्राचार्या

चायपान : सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

चतुर्थ सत्र : सुबह 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक

समापन सत्र

दोपहर 01:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक

प्रमाण पत्र वितरण व कृतज्ञता ज्ञापन

भोजनावकाश : दोपहर 02:00 बजे से 03:00 बजे तक

समापन : सायं 03:00 बजे

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता

1. डॉ. डेज़ी बातिश
   पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
2. डॉ. सुनील कुमार
   गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
3. डॉ. निशा शर्मा
   हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
4. डॉ. सतीश शर्मा
   पंचकूला, हरियाणा
5. डॉ. प्रतिभा चौहान अध्यक्ष,
   कृषि विभाग एस.जी.जी.एस. खालसा महाविद्यालय, माहिलपुर पंजाब
6. प्रवक्ता
   हिमाचल प्रदेश जैव विविधता विभाग, शिमला